

शोध पत्र

1. अवजी एस एम, हंजगी पी एस, पुष्पा बी एन, शशिधर वी आर (2020), प्लाज्मा झिल्ली Na^+/H^+ एंटीपोर्टर *O_sSOS1* जीन की अधिक प्रकटीकरण ट्रांसजेनिक चावल के पौधों में नमक सहनशीलता सुधार होती है। *ओराइज़ा*, 57: 277-287. (एनएएस: 4.44)
2. बाइटे एम एस, रघु एस, प्रभुकार्तिकेयन एस आर, कीर्तना यू, जम्भुलकर एन एन और रथ पी सी, 2019, अनाज के रंग बदलने के कारण चावल में रोग का प्रकोप और उपज में कमी। *जर्नल ऑफ प्लांट डिजीज एंड प्रोटेक्शन* 127: 9-13. (एनएएस: 6.95)
3. बाइटे एम एस, उपाध्याय बी के और दुबे एस सी, 2019, चने में एस्कोकाइटा अंगमारी के कारण एस्कोकाइटाराबी का पता लगाने के लिए अनुक्रम-विशेषता वाले प्रवर्धित क्षेत्र मार्कर का विकास। *फोलिया माइक्रोबायोलॉजिका*. 65(1): 103-108. (एनएएस: 9.70)
4. बाइटे एम एस, रघु एस, प्रभुकार्तिकेयन एस आर, मुखर्जी ए के, बाग एम के, लेंका एस और जेना एम, 2020, आभासी कंड संक्रमण के कारण चावल (ओराइज़ा सटाइवा) में उपज हानि आकलन, *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस*, 90 (2):361-364, फरवरी, 2020. (एनएएस:6.25)
5. बल ए, सामल पी, चक्रवर्ती एम, मुखर्जी ए के, राय एस, मोल्ला के ए, बेहेरा एल, सामल आर, सडंगी एस, साहू पी, और बेहेरा एम, 2020। चावल की किस्म सीआर 1014 से आच्छद अंगमारी प्रतिरोधिता के लिए स्थायी क्वांटिटेटिव ट्रेट लोकस (क्यूटीएल)। *यूफाइटिका* 216:1-19. (एनएएसrating: 7.53)
6. बल ए, सामल पी, चक्रवर्ती एम, मुखर्जी एके, राय एस, मोल्ला के ए, बेहेरा एल, सामल आर, सडंगी एस, साहू पी, एम बेहेरा, लेंका एस, अजहरुद्दीन टी पी, खंडुआल ए, एवं कर एम, 2020। चावल की किस्म सीआर 1014 से आच्छद अंगमारी प्रतिरोधिता के लिए स्थायी क्वांटिटेटिव ट्रेट लोकस (क्यूटीएल)। 19 (अक्टूबर, 2020). (एनएएस:7.53)
7. बन्नोर आर के, कुमार जी ए के, अपोंग-किरेमेह एच, वोंगना सीए (2020)। आधुनिक चावल की किस्मों का अपनाया जाना एवं पूर्वी भारत में गरीबी पर इसका प्रभाव। *राइस साइंस* 27 (1), 56-66 (एनएएस: 8.37)
8. बारिक एस आर, पंडित ई, महांती एस पी, नायक डी के, और प्रधान एस के, 2020। चावल में टर्मिनल चरण सूखा सहिष्णुता से जुड़े शारीरिक लक्षणों का आनुवंशिक मानचित्रण। *बीएमसी जेनेटिक्स*। 21: 76. <https://doi.org/10.1186/s12863-020-00883-x>. (एनएएसrating: 8.55)
9. बसाक एन, कृष्णन वी, पांडे वी, पंजाबी एम, हाडा ए, मराठे ए, जॉली एम, पालका बी के, अम्पासाला डी आर, सचदेव ए, (2020)। सोयाबीन में कम फाइटेट विशेषता के लिए एक संभावित कैंडीडेट जीन इनोसिटोल पेंटाकिसफॉस्फेट 2-किनेज की प्रकटीकरण प्रोफाइलिंग और सिलिको होमोलॉजी मॉडलिंग। *बायोटेक* 10: 268. (एनएएस: 7.79)
10. भादुड़ी डी, मीना एच एन, साहा ए, यादव आर एस, चक्रवर्ती के, जैन एन के, देसाई डी, 2020। मूंगफली की फसल में लवणता का तनाव का सामना करते पोटेसियम और मल्लिंग एमिलियोरेट्स से मिट्टी एंजाइम गतिविधियां बनाए रखते हैं। *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज*, 90(9):1830-1836 [एनएएस: 6.25]
11. भादुड़ी, डी., चक्रवर्ती, के., नायक, एके, शाहिद, एम., त्रिपाठी, आर., बेहरा, आर., सिंह, एस. और श्रीवास्तव, ए के, 2020। सब1 और गैर-सब1 चावल (आईआर IR64) में तनाव के तहत पौध की दूरी में बदलाव से जलमग्नता सहिष्णुता में बेहतर प्रकाश

- अवरोधन और प्रभावी कार्बोहाइड्रेट उपयोग द्वारा सुधार होता है। फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी <https://doi.org/10.1071/FP19364>. (एनएएएस-8.33).
12. भट्टाचार्य, पी., भादुड़ी, डी., अदक, टी., मुंडा, एस., सतपथी, बी., दास, पी के, पाढ़ी, एस आर, पटनायक, ए., राउतराय, एस., चक्रवर्ती, एम., बेग, एम जे, मुखर्जी, ए के, नायक ए के और पाठक, एच, 2020। पुआल जलाने के खतरे को कम करने के लिए सर्वोत्तम वैकल्पिक औद्योगिक उपयोगों के लिए प्रमुख किस्मों के धान पुआल की विशेषताएं। *इंडस्ट्रियल क्रॉप्स एंड प्रोडक्ट्स*, 143, p.111919. <https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2019.111919>. (एनएएएस-9.85).
 13. भुक्का जे एन, बोलिनेनी एस एन, कादंबरी जी, बोम्मिसेट्टी आर, गुडिकती ई आर, दर्शन डब्ल्यूएम, इस्सा के, अक्करेड्डी एस, एस्लावथ एसएन, डोकुपथी ए के, एरागम ए, मूड वी एन, पोटेपलेम आर, चिंताला एस, नाररेड्डी ई पी, तांती बी, मंडल एन पी, मुनिराजू पी, जानकी वाई वी और वेमिरेड्डी एल आर, 2020। चावल की श्रेष्ठ किस्मों (ओराइजा सटाइवा) में नमी के दबाव के तहत उपज के लिए क्यूटीएल के मार्कर-असिस्टेड इंटीग्रेशन। *प्लांट ब्रिडिंग*. 2020; 00:1–14. <https://doi.org/10.1111/pbr.12865>. (एनएएएस: 8.37)
 14. बिस्वास, आई., मित्र, डी., सेनापति, ए., मित्र, डी., छत्रराज, एस., अली, एम., बसाक, जी., पन्निरसेल्वम, पी., महापात्र, पी के डी, (2020)। टमाटर के पौधे की उपज में सुधार के लिए बैक्टीरियल किण्वित मुर्गी पंख हाइड्रोलोलाइजेट के साथ कृमिखाद का मूल्यांकन: एक नई कार्बनिक संयोजन। *इंटरनेशनल जर्नल रिसाइक्लिन अर्गनाइजेशन*, (स्वीकृत) (एनएएएस- NA).
 15. बोस एल के, जंभूलकर एन एन और रथ पी सी, 2020। जलवायु परिवर्तन के तहत पूर्व प्रजनन के माध्यम से जंगली चावल जैव विविधता का प्रभावी उपयोग। *अरोमा, बीएआरसी*, 2019, 20-22.
 16. चक्रवर्ती के, गुरु ए, जेना पी, राय एस, गुहे ए, चट्टोपाध्याय के, सरकार आर के, 2020। सब1 क्यूटीएल वाले चावल में प्रारंभिक लीफ गैस फिल्म की मोटाई अधिक होती है जिससे जलमग्न सहिष्णुता देर तक बनी रहती है। *एनल्स ऑफ बाटनी* <https://doi.org/10.1093/aob/mcaa171> [एनएएएस: 9.45]
 17. चक्रवर्ती के, मंडल एस, रे एस, सामल पी, प्रधान बी, चट्टोपाध्याय के, कार एम के, स्वाई पी, और सरकार आर के, 2020। आयनिक भेदभाव के साथ उतक सहिष्णुता चावल में लवणता सहनशीलता की ऊर्जा लागत को संभावित रूप से कम कर सकती है। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस* 11: 265. <https://doi.org/10.3389/fpls.2020.00265>. (एनएएएस 10.11)
 18. चटर्जी, डी., स्वाई सी.के., चटर्जी, एस., भट्टाचार्य, पी., त्रिपाठी, आर., लाल, बी., गौतम, पी., शाहिद, एम., दाश पी के, धल, बी. और नायक, ए के, 2020। क्या उष्णकटिबंधीय निचलीभूमि चावल में ऊर्जा संतुलन पूरी तरह से बंद है? *एटमसफेरा*. <https://www.revistascca.unam.mx/atm/index.php/atm/article/view/52734>. (प्रभाव कारक-1.083, एनएएएस में अब तक शामिल नहीं है).
 19. चटर्जी, एस., स्वाई, सी.के., नायक, ए.के., चटर्जी, डी., भट्टाचार्य, पी., महापात्र, एस.एस., देबनाथ, एम., त्रिपाठी, आर., गुरु, पी.के. और धल, बी, 2020। उष्णकटिबंधीय निचलीभूमि धान में एडी कोवारियांस से मापा गया शुद्ध पारिस्थितिकी तंत्र में कार्बन के आदान-प्रदान का विभाजन। *पैडी एंड वाटर इनवायरनमेंट*. <https://doi.org/10.1007/s10333-020-00806-7>. (एनएएएस- 7.26).
 20. चट्टोपाध्याय के, महांती एस के, विजयन जे, मरंडी बी सी, मोल्ला के ए, चक्रवर्ती के, राय एस, और सरकार आर के, 2020 चावल में प्रजनन स्तर पर लवणता सहिष्णुता के लिए

- घटक लक्षणों का आनुवंशिक विच्छेदन। प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर. <https://doi.org/10.1007/s11105-020-01257-4>. (एनएएएस- 7.8)
21. चट्टोपाध्याय के, विजयन जे, राय ए, चक्रवर्ती के, और सरकार आर के 2020। चावल में अंकुरण अवस्था पर नमक सहिष्णुता को प्रभावित करने वाले क्लोरोफिल फ्लोरोसेंस लक्षणों के लिए एडिटिव मेन इफेक्ट और डाइजेनिकेपिस्टैटिक क्वांटिटेटिव ट्रेट लोसाई। फोटोसिन्थेटिका 58(एसपीएल): 410-422, <https://doi.org/10.32615/ps.2020.008>. (एनएएएस rating 8.37)
 22. दास लिपि, मिश्र एस के, बेहेरा आर के (2019)। फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत लाभार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्थिति और तकनीकी मॉड्यूल के समवर्ती मूल्यांकन पर एक विहंगम दृष्टि। जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन. XXIV(2). (एनएएएस-).
 23. दास लिपि, सेठी पी एस, श्रीवास्तव एस के, मिश्र एस के, हेमरोम ए सी और पटनायक एस (2020)। महिला केंद्रित चावल मूल्य श्रृंखला मॉडल को संस्थागत बनाने के लिए लिंग भूमिका विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल करेंट माइक्रोबायोलॉजी एप्लाएड साइंस. 9(06). (एनएएएस- 5.38).
 24. डोंडे आर, महापात्र एस, यासीनबख्शा एस के, पाढ़ी बी, मुखर्जी एम, रॉय एस, चट्टोपाध्याय के, आनंदन ए, स्वाई पी, साहू के के, सिंह ओ एन, बेहेरा एल और दाश एस के 2020। चावल के नए प्रकार के पौधों में उच्च अनाज उपज और घटक लक्षणों के लिए क्यूटीएल की पहचान। पीएलओएस वन 15(7): e0227785. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0227785>. (एनएएएस: 8.78)
 25. गौर वी.एस., गिरीश सी, चक्रवर्ती एम, शर्मा टी.आर. और मंडल टी.के. 2020। 'हरित क्रांति' चावल के बौने जीन *sd1* का व्यापक प्रभाव है। ब्रीफिंग इन फंक्शनल जीनोमिक्स. <https://doi.org/10.1093/bfpg/elaa019>. (एनएएएस 9.13)
 26. गौतम पी, लाल बी, पंडा बी बी, बिहारी पी, चटर्जी डी, सिंह टी, नायक पी के, नायक ए के 2021। उच्च प्रणाली उत्पादकता और स्थिरता के लिए चावल की परती भूमि उपयोग करने के लिए कृषि संबंधी प्रथाओं में बदलाव। फील्ड क्रॉप्स रिसर्च. 260:108005. (एनएएएस: 9.87).
 27. गौड़ा जी, गुप्ता एम के, डोंडे आर, कुमार जे, परिडा एम, महापात्र टी, दाश एस के, प्रधान एस के और बेहेरा एल, 2020। चावल के पौधे में अधिक दाने संख्या गठन के लिए जीएन 1 ए से जुड़े हेप्लोटाइप्स और सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म की विशेषता। जीनोमिक्स 112: 2647-2657. <https://doi.org/10.1016/j.ygeno.2020.02.016>. (एनएएएस 9.16)
 28. गौड़ा जी, गुप्ता एम के, डोंडे आर, महापात्र टी, वड्डे आर, और बेहेरा एल। 2020। दाना संख्या और चावल के उपज-संबंधी लक्षणों के लिए मार्कर-सहायता चयन (ओराइजा सटाइवा एल।) फिजियोलॉजी मोलिक्यूलर बायोलॉजी प्लाट्स 26(5): 885 <https://doi.org/10.1007/s12298-020-00773-7>. (एनएएएस 7.54)
 29. गुप्ता एम के, गौड़ा जी, डोंडे आर, वड्डे आर, और बेहेरा एल, 2020। ओराइजा सटाइवा में कैरोटेनॉइड क्लीवेज डायॉक्सिनेज 8 की संरचना और कार्य पर उत्परिवर्तन (LEU112PRO) के प्रभाव के इन सिलिको लक्षण वर्णन। फाइटोकेमिस्ट्री 175:112365. <https://doi.org/10.1016/j.phytochem.2020.112365>. (एनएएएस: 8.91).
 30. गुप्ता पी, वर्मा, वर्मा आर एल, गुप्ता आर के, सिंह के पी, और सिंह पी 2020। सॉडिक मिट्टी के तहत धान (ओराइजा सटाइवा एल.) में वंश औसत विश्लेषण के बाद आनुवंशिक

- परिवर्तनशीलता का आकलन। *जर्नल ऑफ फार्माकोग्नॉसी एंड फाइटोकेमिस्ट्री*। 9(5): 1353-1357. (एनएएएस: 5.21)
31. गुप्ता, ए.के., माहेश्वरी, ए. और खानम, आर, 2020। भारत के विभिन्न मिट्टी के प्रकारों में फास्फोरस निर्धारण क्षमता का आकलन। *जर्नल ऑफ प्लांट न्यूट्रिशन*। 1-7. (एनएएएस: 6.75).
 32. गुप्ता, सी.के., वदूद, ए., कुमार, आर., कुमारी, पी और प्रसाद, एस.एम. (2020)। झारखंड के हजारीबाग में भौतिक और रासायनिक मृदा गुणों पर टोपो-सीक्वेंस का प्रभाव। *जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल फिजिक्स*। 20 (1): 82-86. (एनएएएस: 4.31).
 33. गुरु पिरसन्नापंडी जी*, अन्नामलाई एम, बसन गौड़ जी, एन.के. पाटिल, प्रशांति गोलिव, टोटन अदक, पी सी रथ और मायाबिनी जेना (2020)। उथले निचलीभूमि पारिस्थितिकी के तहत चावल के पीला तना छेदक स्क्रिपोफैगेनसर्टुलस (वॉकर) संख्या की गतिकी पर मौसम के मापदंडों का प्रभाव। *जर्नल ऑफ एग्रोमेटियोलॉजी भाग. 22, संख्या 1, 22 (1): 89-91 (एनएएएस: 6.64). <https://doi.org/10.1007/s10722-020-01093-1>. IF 1.071*
 34. जे मेहर, एस के दास, एल के बोस, एस सरकार, पी सी रथ और एच एन सुबुद्धि (2020)। नेट हाउस स्थिति में सफेदपीठ वाले पौधे माहू (सोगेटेलाफुरसीफेरा होर्वाथ) के खिलाफ चावल की किस्मों का परीक्षण। *जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज* 8(2) 1044-1044 (एनएएएस: 5.53)
 35. जंभूलकर एन.एन., सुश्री संगीता जेना, बिस्वजीत मंडल और परशुराम सामल, 2020। भारत में ओडिशा राज्य में चावल के क्षेत्र, उत्पादन और उपज की वृद्धि दर और अस्थिरता विश्लेषण का अनुमान। *इंटरनेशनल जर्नल करेंट माइक्रोबायोलॉजी एप्लाइड साइंस* 9(07): 3107-3115. डीओआई : <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2020.907.366> (एनएएएस - 5.38).
 36. कटारा जे एल, वर्मा आर एल, परिडा एम, नंगाखम यू, मोल्ला के ए, बरबदीकर के एम, मुखर्जी एम, परमेश्वरन सी, सामंतराय एस, रवि एन आर, सिंह ओ एन, और महापात्र टी, 2020। चावल के संकरों के हेटेरोसिस में निहित चरणों- बाली निकलने और दाने में जीन की विभेदक अभिव्यक्ति। *इंटरनेशनल जर्नल करेंट मोलिक्यूलर साइंस*. 21(3), 1080, डीओआई: [10.3390/ijms21031080](https://doi.org/10.3390/ijms21031080). (एनएएएस: 10.18)
 37. खानम, आर., कुमार, ए., नायक, एके, शाहिद, एम., त्रिपाठी, आर., विजयकुमार, एस., भादुड़ी, डी., कुमार, यू., महांती, एस., पनीरसेल्वम, पी. , चटर्जी, डी., सतपथी, बी.एस और पाठक, एच।, 2020। धान खेत की मिट्टी में धातु (As, Hg, Se, Pb, और Cd): जैव उपलब्धता और मानव स्वास्थ्य के लिए संभावित जोखिम। *साइंस ऑफ टोटल इनवायरनमेंट*, 699, .134330. (एनएएएस-11.59).
 38. खोशरू, बी., मित्र, डी., खोशमंजर, ई., मायो, ई एम, उनियाल, एन., महाकुर, बी., महापात्र, पी के डी, पन्नीरसेल्वम, पी., बुताज, एच., अलीजादेह, एम. और सेली, एम वी टी, 2020। वर्तमान परिदृश्य और पौधों के विकास को बढ़ावा देने वाले राइजोबैक्टीरिया की भविष्य की संभावनाएं: तनावपूर्ण परिस्थितियों में कृषि पुनरुद्धार के लिए एक आर्थिक मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ प्लांट न्यूट्रिशन*, 43(20), pp.3062-3092. (एनएएएस-6.75).
 39. कुजूर, ए टंडन, ए पूनम, एन बसाक, बी पी मलिक, डी दास और जे जेना (2020)। गीले मौसम के दौरान उच्च प्रोटीन चावल की जड़ वृद्धि, उपज और गुणवत्ता की अभिव्यक्ति पर रोपण समय और नाइट्रोजन प्रबंधन के प्रभाव। *द फार्मा इनोवेशन जर्नल*, 2020; 9(7): 305-308 (एनएएएस-5.03).

40. कुजूर, एस ए टंडन, ए पूनम, बीपी मलिक, एस कुमार, डी दास और जे जेना (2020) माइक्रोबियल आबादी पर रोपण समय और नाइट्रोजन प्रबंधन के प्रभाव, गीले मौसम के दौरान नाइट्रोजन की दक्षता और उच्च प्रोटीन चावल की उपज। *जर्नल ऑफ फार्माकोगनॉसी एंड फाइटोकेमिस्ट्री* 2020; 9(4): 1032-1035 (एनएएस-5.21).
41. कुमार ए, दास जी के, बारिक एम, पंडा पी ए, लाल एम के, बेग एम जे, स्वाई पी (2020)। प्रतिरोधी स्टार्च सामग्री और चावल के ग्लाइसेमिक इंडेक्स (ओरइजा सटाइवा एल) पर सूखे तनाव का प्रभाव। *स्टार्च-स्टार्क*। 1900229: 1- 11. [एनएएस: 8.17]
42. कुमार ए, गौड़ा बी जी, साह आर पी, साहू सी, बिस्वाल एम, नायक एस, कुमार एस, स्वाई पी, शर्मा एसजी। (2020)। चावल भंडारण कीट सिटोट्रोफेसरेला द्वारा संक्रमण पर चावल के दाने (ओरइजा सटाइवा एल.) के ग्लाइसेमिक इंडेक्स की स्थिति। *जर्नल ऑफ स्टोरेड प्राडक्ट्स रिसर्च* 89(101697): 1-9. (एनएएस: 7.95)
43. कुमार ए, पाढ़ी एस आर, दास आर आर, शाहिद एम, दास पी के, सेनापति ए, पनीरसेल्वम पी, कुमार यू, चटर्जी डी, अदक टी, त्रिपाठी आर, नायक पी के और नायक ए के 2021। नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन और ऊष्णकटिबंधीय निचलीभूमि चावल की मिट्टी से उन्नत कार्बन के संपर्क में आने वाले कार्यात्मक मृदा रोगाणुओं के बीच संबंध को स्पष्ट करना: एक नई मॉडलिंग उपाय। *एग्रीकल्चर, इकोसिस्टमस् एंड इनवायरनमेंट* 308:107268. (एनएएस: 9.95).
44. कुमार ए, पंडा पी ए, लाल एम के, नंगाखम यू, साहू सी, सोरेन के आर, सुबुधि एचएन, सामंताराय एस और शर्मा एस, 2020। दालें, खाना पकाने के तेल और सब्जियों का मिश्रण प्रतिरोधी स्टार्च को बढ़ाता है और चावल (ओरइजा सटाइवा एल.)के ग्लाइसेमिक इंडेक्स को कम करता है। *स्टार्च* 72: <https://doi.org/10.1002/star.201900081>. (एनएएस rating: 7.80)
45. कुमार ए, साहू सी, बिस्वाल एम, मिश्र यू एन, बेहेरा एल, आनंदन ए, बेहेरा एस, साहू आर के, एम डी अजहरुदीन टी पी, और साह आर, 2020। चावल में बीज ओज की भिन्नता और अल्फा-एमाइलेज और कुल एमाइलेज गतिविधि के साथ इसका संबंध। *प्लांट बायोलॉजी*। 83(1):56-62. (एनएएस: 8.15)
46. कुमार अंगद, डावरे अनुराग, कुमार अरविंद, कुमार विनय, गोपाल कृष्णन एस, मंडल सुभाषिण, पात्र भास्कर सी, सिंह अशोक के, त्यागी अखिलेश, परिडा, स्वरूप के, ठाकुर जितेंद्र के, 2020। महत्वपूर्ण चावल के दाने के आकार/वजन क्यूटीएल बहुरूपता के जीनोम-व्यापी विश्लेषण से खेती-संबंधी लंबे विविधता क्षेत्र की पहचान। *द प्लांट जर्नल* 103:1525-1547. (एनएएस: 7.80)
47. कुमार अरविंद, अनीता रमन, शैलेश यादव, एस.बी. वेरुलकर, एन.पी. मंडल, ओ.एन. सिंह, पी. स्वाई, टी. राम, ज्योतिबद्री, जे.एल. द्विवेदी, एस.पी. दास, एस.के. सिंह, एस पी सिंह, संतोष कुमार, अभिनव जैन, आर चंद्रबाबू, एस रॉबिन, एच.ई. शशिधर, एस. हितालमणि, पी. सत्यनारायण, चल्ला वेंकटेश्वरलु, जानकी रमैय्या, शिल्पा नाएक, स्वाति नायक, मंजूर एच. डार, एस.एम. हुसैन, अमेलिया हेनरी, एच.पी. पाइफो। भारत में वर्षाश्रित वातावरण में चावल की उपज के लिए आनुवंशिक लाभ। *फील्ड क्रॉप्स रिसर्च* 260 (2021). doi.org/10.1016/j.fcr.2020.107977 (एनएएस: 9.87).
48. कुमार जी ए के, कृष्णा आर एस, पाठक एच, पात्र बी सी, साहू आर के, मुखर्जी ए के, मंडल बी, गुरु पी के, बोरकर एन टी, राउत सी, दास ए और परिडा एस, 2020। चावल आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कृषि-व्यवसाय उद्भावान। *इंडियन फार्मिंग*। 70(01): 53-55.

49. कुमार यू, बेहेरा एस, साहा एस, दास डी, गुरु पी के, कविराज एम, मुंडा एस, अदक टी, नायक ए के, 2020। धान की मिट्टी में सूक्ष्मजीव समुदाय पर बिस्पाइरिबैक सोडियम का गैर-लक्षित प्रभाव। इकोटॉक्सिकोलॉजी एंड इनवायरनमेंटल सेफ्टी. 189: 110019. (एनएएस: 10.53).
50. कुमार, एम., राजखोवा, डी.जे., महंत, के., वर्मा, बी.सी., चौधरी, बी.यू., राव, के.के., सौरभ, के., और रक्षित, आर., (2020)। उत्तर पूर्वी भारत में मृदा स्वास्थ्य और फसल उत्पादकता में सुधार के लिए जैव अपशिष्ट उपयोग। रिसर्च बायोटेक 2(2):44-49
51. कुमार, यू., बेहेरा, एस., साहा, एस., दास, डी., गुरु, पी के, कविराज, एम., मुंडा, एस., अदक, टी. और नायक, ए के, 2020। गैर-लक्षित धान की मिट्टी में मृदा सूक्ष्मजीव समुदाय पर बिस्पाइरिबैक सोडियम का प्रभाव। इकोटॉक्सिकोलॉजी एंड इनवायरनमेंटल सेफ्टी, 189, p.110019. <https://doi.org/10.1016/j.ecoenv.2019.110019>. (एनएएस - 10.53).
52. कुमार, यू., नायक, ए के, साहू, एस., कुमार, ए., कविराज, एम. और शाहिद, एम., 2020। उप-आर्द्र उष्णकटिबंधीय धान की मिट्टी में डायज़ोट्रोफ़िक समुदाय पर वर्धित कार्बन, नाइट्रोजन उर्वरक और पानी की कमी के तनाव के संयुक्त प्रभाव। आप्लाएड सॉइल इकोलॉजी, 155, p.103682. <https://doi.org/10.1016/j.apsoil.2020.103682>. (एनएएस-9.45).
53. लाल, बी., गौतम, पी., नायक, ए के, महाराणा, एस., त्रिपाठी, आर., शाहिद, एम., बेग, एम जे, राजा, आर., काटो, वाई., कुमार श्रीवास्तव, ए. और सिंह, एस., 2020। सहनशील किस्में और बहिर्जात पोषक तत्वों के प्रयोग से चावल में सूखे के तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकता है। आरकाइव ऑफ एग्रोनोमी एंड सॉइल साइंस, 66(1), pp.13-32. <https://doi.org/10.1080/03650340.2019.1587749>. (एनएएस-8.5).
54. लाल, बी., गौतम, पी., पंडा, बी बी, त्रिपाठी, आर., शाहिद, एम., बिहारी, पी., गुरु, पी के, सिंह, टी., मीना, आर एल और नायक, ए के, 2020। चावल की परती भूमि की पारिस्थितिक स्थिरता के लिए ऊर्जा और कार्बन कुशल फसल प्रणाली की पहचान। इकोलॉजिकल इंडिकेटरस् 115, p.106431. <https://doi.org/10.1016/j.ecolind.2020.106431>. (एनएएस-10.49).
55. मजूमदार एस एच, डेका निवेदिता, मंडल बी, बिसेन जे पी, बर्मन यू, 2019। असम के बराक घाटी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के लिए किसानों की अवधारणा: एक अनुभवजन्य अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन. 55 (4): 97-101. (एनएएस-5.32).
56. मैथ्यू एस. बाइटे, एस. रघु, एस.आर. प्रभुकार्तिकेयन, यू. कीर्तना, नीतिप्रसाद एन. जंभूलकर, प्रकाश सी. रथ (2020)। अनाज के रंग बदलने के कारण चावल में रोग का प्रकोप और उपज में कमी। जर्नल ऑफ प्लांट डिजिजेस एंड प्रोटेक्शन।, 127: 9-13. (एनएएस: 6.95, Impact: 0.946). <https://doi.org/10.1007/s41348-019-00268-y>
57. मावलोंग, एल जी, वर्मा, बी सी, कुमार, एम।, ठाकुरिया डी और कुमार आर (2020)। मृदा जैविक गुणों पर पोषक तत्व प्रबंधन व्यवस्था का प्रभाव- एक समीक्षा। रिसर्च बायोटेक 2(2): 65-74.
58. मोहम्मद अजहरुद्दीन टी पी, आर पी शाह, ए कुमार, एस के घृतलहरे, के सैकिया, आर भगवती, आर के साहू और पात्र बी सी, 2020। असम के जोहा जर्मप्लाज्म वंशों के बीच सुगंध के लिए एक विशिष्ट भूमिजाति की पहचान। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज। (एनएएस Score: 6.04)

59. मिश्र, आर.सी., रैना, ए.पी., पानी, डी.आर., दास, जी., मुखर्जी, ए.के. और अहलावत, एस.पी. (2021)। पूर्वी भारत में ओडिशा में म्यूक्युना अदांस की स्वदेशी पारंपरिक ज्ञान, आनुवंशिक विविधता, परिवर्तनशीलता की सीमा। जेनेटिकल रिसोर्सस क्रॉप इवोल्यूशन (2021). (एनएएस:7.30)
60. मित्र, डी., एंडेलकोविच, एस., पन्नीरसेल्वम, पी., सेनापति, ए., वासिक, टी., गणेशमूर्ति, ए एन, चौहान, एम., उनियाल, एन., महाकुर, बी. और राधा, टी के, 2020। फॉस्फेट-सॉल्युबिलाइजिंग माइक्रोब्स एंड बायोकंट्रोल एजेंट फॉर प्लांट न्यूट्रीशन एंड प्रोटेक्शन: करंट पर्सपेक्टिव। कम्प्युनिकेशंस इन सॉइल साइंस एंड प्लांट एनालिसिस। 51(5), pp.645-657. (एनएएस-6.69).
61. महांती, एस., नायक, ए.के., स्वाई, सी.के., धूल, बी., कुमार, ए., त्रिपाठी, आर., शाहिद, एम., लाल, बी., गौतम, पी., दास, जी.के. और स्वाई, पी., 2020। उष्णकटिबंधीय निचलीभूमि चावल में सिलिकॉन से उपज बढ़ती है नत्रजन उपयोग दक्षता बढ़ता है। एग्रोनोमी जर्नल 112(2), pp.1-14. <https://doi.org/10.1002/agj2.20087>. (एनएएस-7.9).
62. महांती, एस., नायक, ए.के., स्वाई, सी.के., धूल, बी. आर, कुमार, ए., कुमार, यू., त्रिपाठी, आर., शाहिद, एम. और बेहेरा, के.के., 2020। का प्रभाव। निचलीभूमि चावल में एकीकृत पोषक प्रबंधन विकल्प से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, नत्रजन हानि एवं नत्रजन उपयोग दक्षता हानि पर प्रभाव। सॉइल एवं टिलेज रिसर्च, 200, 104616. <https://doi.org/10.1016/j.still.2020.104616>. (एनएएस-10.68).
63. महापात्र एस, बस्तीया ए के, पंडा ए के, और प्रधान एस के, 2020। चावल बैकक्रॉस उत्परिवर्तियों में जलमग्न सहिष्णुता, जीवाणुज अंगमारी प्रतिरोधिता और उपज वृद्धि हेतु प्रवेश के लिए मार्कर-सहायता प्राप्त चयन। ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ क्रॉप साइंस. 14(08):1288-1294. (एनएएस: **)
64. मोला के ए, और यांग वाई, 2020। सटीक जीनोम संपादन के लिए CRISPR/Cas9-प्रेरित उत्परिवर्तन का अनुमान लगाना। ट्रेंड्स इन बायोटेक्नोलॉजी. 38(2): 136-141. (एनएएस: 19.75)
65. मोल्ला के ए, कर्मकर एस, मोल्ला जे, बजाज पी, वार्ष्णीय आर के, दत्ता एस के, और दत्ता के। 2020। चावल में आच्छद अंगमारी प्रतिरोधिता की समझ: रोड बिहाइंड एंड रोड एहेड। प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जर्नल। 18(4): 895-915. (एनएएस: 12.84)
66. मोल्ला के ए, क्यूई वाई, कर्मकर एस, और बेग एम जे, 2020। बेस एडिटिंग लैंडस्केप एक्सटेंड्स टू परफर्म ट्रांसवर्सन म्यूटेशन। ट्रेंड्स इन जेनेटिक्स. 36(12): 899-901. (एनएएस: 19.75)
67. मोल्ला के ए, शिह जे और यांग वाई, 2020। CRISPR/Cas9-मध्यस्थता वाले एडेनिन बेस एडिटर्स का उपयोग करके चावल में जेब्रा3 और डब्ल्यूएस15 फेनोटाइप के लिए सिंगल-न्यूक्लियोटाइड संपादन। एबायोटेक 1: 106–118. <https://doi.org/10.1007/s42994-020-00018-x>.
68. मंडल बी., लोगानंदन एन., पाटिल एस.एल., रायजादा ए., कुमार एस. और बगड़ी जी.एल. 2020। संस्थागत प्रदर्शन और भागीदारी प्रतिमान: भारत के अर्ध-शुष्क क्षेत्र के जलाश्रय के दो समूहों की तुलना। इंटरनेशनल सॉइस एंड वाटर कंसर्वेशन रिसर्च, 8 (2): 164-172. doi: <https://doi.org/10.1016/j.iswcr.2020.04.002>.
69. मंडल, बी. सिंह, ए. कुमार, जी.ए.के. सिन्हा, एम.के. और कुमार, एस। (2020)। भारत के मध्य प्रदेश, के बुंदेलखंड क्षेत्र में जलाश्रय कार्यक्रमों का प्रभाव: लाभार्थी को कैसे लाभ

- मिलता है? एग्रीकल्चरल रिसर्च (2020). <https://doi.org/10.1007/s40003-020-00510-2>(एनएएएस- 5.90).
70. मुखोपाध्याय, आर., भादुड़ी, डी., सरकार, बी., रुस्मीन, आर., होउ, डी., खानम, आर., सरकार, एस., बिस्वास, जे के, विथानगे, एम., भटनागर, ए. और ओक, वाई एस, 2020। क्ले-पॉलीमर नैनोकम्पोजिट्स: टिकाऊ जल उपचार में प्रगति और चुनौतियां। जर्नल ऑफ हाजाडॉस मेटेरियलस्, 383, p.121125. (एनएएएस: 13.65).
 71. मुश्ताक एम, मुख्तार एस, सकीना ए, डार ए ए, भट आर, देशमुख आर, मोल्ला के, और डार एम एस, 2020। फसल पौधों में वायरस के हस्तक्षेप के लिए जीनोम-एडिटिंग उपायों को बदलना. प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री। 147: 242-250. (एनएएएस: 9.40)
 72. नागमणि पी, भगत एस, विश्वनाथ के और बिस्वास एम के, 2020। आंध्र प्रदेश के चना उत्पादक क्षेत्रों से आईटीएस-पीसीआर के माध्यम से ट्राइकोडर्मा एसपीपी का अलगाव और पहचान। एनल्स ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन साइंसेज। 28(1): 29-32. (एनएएएस - 4.82).
 73. नायक एस एम, रमन ए के, नागमल्लिका एम, वेंकटेश्वरलू सी, सिंह एस पी, कुमार एस, सिंह एसके, अहमद टी, दास एस पी, प्रसाद के, इजहर टी, मंडल एन पी, सिंह एन के, यादव एस, रिंकी आर, स्वामी बी पी एम, विर्क पी और कुमार ए, 2020। चावल के दाने में लौह और जस्ता सामग्री के लिए जीनोटाइप-पर्यावरण पारस्परिकता। जर्नल ऑफ द साइंस ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर। 10.1002/jsfa.10454. (एनएएएस - 8.42).
 74. नायर, एस.ए., रघुपति, एच.बी., पनीरसेल्वम, पी. और राधा, टी.के., 2020। चमड़े के पत्ते फ़र्न पर कोकोपीट आधारित माध्यम और पोषक तत्व निर्धारण का प्रभाव। इंडियन जर्नल हॉर्टीकल्चर, 77(2), pp.347-355. (एनएएएस-6.11).
 75. नायक, पी.के., पंडा, बी.बी., दास, एस.के., राव, के.आर., कुमार, यू., कुमार, ए., मुंडा, एस., शतपथी, बी.एस. और नायक, ए.के., 2020। चावल-मछली-बतख एकीकृत कृषि प्रणाली में खरपतवार नियंत्रण दक्षता और उत्पादकता। इंडियन जर्नल ऑफ फिशोरिज, 67(3), pp.62-71. DOI:10.21077/ijf.2020.67.3.94309-07. (एनएएएस-6.26).
 76. नियोगी, एस., दास, पी.के., भट्टाचार्य, पी., पाध्य, एस.आर., राँय, के.एस. और नायक, ए.के., 2020। चावल उत्पादन प्रणालियों के विपरीत कुल मिट्टी श्वसन को जड़, राइजोस्फीयर और बेसल-मिट्टी कार्बन फ्लक्स में विभाजित करना। साइल रिसर्च, 1-10. <https://doi.org/10.1071/SR20006>. (एनएएएस-7.57).
 77. नियति पांडे, धनेंद्र राणा, गजेन्द्र चंद्रकर, जी. बसन गौड़, नवीनकुमार बी. पाटिल, गुरु पी. पांडी जी, एम. अन्नामलाई, सोमनाथ एस. पोखरे, पी.सी. रथ, टोटन अदक (2020)। एक अनुरूप चावल पारिस्थितिकी तंत्र से क्लोरेंट्रानिलिप्रोल के अपव्यय पर जलवायु परिवर्तन कारक (खड़े पानी और वर्षा) की भूमिका। इकोटॉक्सिकोलॉजी एंड इनवायरनमेंटल सेफ्टी, 205 (2020) 111324. (एनएएएस 10.53)
 78. पद्मभूषण आर, शर्मा एस, राणा डी एस, कुमार यू, कोहली ए, कुमार आर, 2020। भारत के मूल वनभूमि की तुलना में घास के मैदान में मिट्टी के लक्षण और कार्बन पूल क चित्रण: एक मेटा-विश्लेषण। एग्रोनोमी (स्वीकृत) (एनएएएस: 8.26).
 79. पाढ़ी एस आर, भट्टाचार्य पी, दास पी के, रेड्डी सी एस, चक्रवर्ती ए और पाठक एच, 2019। सुंदरबन, भारत के सुंदरवन में अपघटित अमरई में मृदा अस्थिर कार्बन पूल के संबंध में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के तीन मोड में मौसमी उतार-चढ़ाव। साइंस ऑफ द टोटल इनवायरनमेंट, 135909. (एनएएएस: 11.59).

80. पाढ़ी एस आर, भट्टाचार्य पी, नायक ए के, दास पी के, राँय के एस, बेग एम जे, महापात्र टी, 2019। वर्धित कार्बन के तहत सल्फर मेटाबॉलिज्म और बैक्टीरियल डायवर्सिटी के प्रमुख मेटाबोलिक रास्ते और निचलीभूमि चावल में तापमान: एक मेटाजेनोमिक उपाय। *जियोमाइक्रोबायोलॉजी जर्नल*, 26: 1-9. (एनएएस: 7.69).
81. पाढ़ी, एस.आर., भट्टाचार्य, पी., दास, पी.के., राँय, के.एस., नियोगी, एस., बेग, एम.जे., स्वाई, पी., नायक, ए.के. और महापात्र, टी, 2020। वर्धित कार्बन के तहत चावल में मिट्टी-रोगाणुओं-पौधे-वायुमंडलीय सातत्य में बढ़ी हुई कार्बन प्रवाह और तापमान सकारात्मक जलवायु परिवर्तन की ओर जाता है। *एप्लाएड साँएल इकोलॉजी*, 155, 103657. <https://doi.org/10.1016/j.apsoil.2020.103657>. (एनएएस-9.4).
82. पंडा डी, बिस्वाल एम, महांती एस, डे पी, स्वाई ए, बेहरा डी, बेग एम जे, कुमार ए, शाह आर पी, त्रिपाठी बी सी, बेहरा एल, (2020)। सिंक क्षमता, स्टार्च बायोसिंथेसिस के नियमन में फाइटोक्रोम ए का योगदान चावल में अनाज की गुणवत्ता, उपज और संबंधित लक्षण। *प्लांट आर्काइव्स*, 20: 1179-1194. (एनएएस: 4.41)
83. पांडे सी बी, कुमार यू*, कविराज एम, मिनिक् के जे, मिश्र ए के, सिंह जे एस। 2020 डीएनआरए: स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र में नाइट्रोजन के संरक्षण के लिए जैविक नत्रजन-पुनर्चक्रण में एक शॉर्ट-सर्किट। *साँइस ऑफ द टोटल इनवायरनमेंट*. <https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2020.139710> (NAAS: 11.59). (एनएएस: 11.59).
84. पंडित ई, पंडा आर के, साहू ए, पाणी डी आर, और प्रधान एस के, 2020। शीघ्र एवं मध्य-शीघ्र पकने वाली चावल जीनोटाइप में सूखे से बचाव में सुधार के लिए रूट ग्रोथ एंगल का आनुवंशिक संबंध और संरचना विश्लेषण। *राइस साँइस* 27(2): 124-132. (एनएएस 8.37)
85. पन्नीरसेल्वम पी, कुमार यू, सेनापति ए, परमेश्वरन सी, आनंदन ए, कुमार ए, जहान ए, पाढ़ी एस आर, और नायक ए के, 2020। उप-आर्द्र उष्णकटिबंधीय धान की मिट्टी में इल्लुमिना मिसेक प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल कवक समुदाय पर वर्धित कार्बन का प्रभाव। *एप्लाएड साँइल इकोलॉजी*. <https://doi.org/10.1016/j.apsoil.2019.08.006>. (एनएएस: 9.45)
86. पनीरसेल्वम पी, साहू एस, सेनापति ए, कुमार यू, मित्र डी, परमेश्वरन सी, आनंदन ए, कुमार ए, जहान ए और नायक ए के, 2019। वर्धित कार्बनडाइऑक्साइड स्थितियों के तहत चावल में अर्बुस्कुलर माइकोरिज़ल कवक के अंतःक्रियात्मक प्रभाव की समझ। *जर्नल ऑफ बेसिक माइक्रोबायोलॉजी*। <https://doi.org/10.1002/jobm.201900294>. (एनएएस: 7.76).
87. पन्नीरसेल्वम पी, सेनापति ए, कुमार यू, शर्मा एल, लेप्चा पी, प्रभुकार्तिकेयन एस आर, जहान ए, परमेश्वरन सी, गोविंदराज जी पी, लेंका एस, नायक पी के, मित्रा डी, सागरिका, सुगिथा टी और शिवकुमार, 2019। भारत में सिक्किम की लंबी अवधि की जैविक खेती वाली मिट्टी से नई बैसिलस प्रजाति को बढ़ावा देने वाले विरोधी और पौधे-विकास। 3 *बायोटेक*, 9 (11): 416. (एनएएस: 7.79).
88. पनीरसेल्वम, पी. सेल्वाकुमार, जी. गणेशमूर्ति, ए.एन. मित्रा डी., सेनापति ए., (2020) एक स्ट्रेप्टोमाइसेस कंसोर्टियम के हस्तक्षेप के माध्यम से अनार (पुनीकैग्रानेटम एल.) के पौधे के स्वास्थ्य को बढ़ाना। *बायोक्ंट्रोल साँइस एंड टेक्नोलॉजी, डीओआई*: 10.1080/09583157.2020.1859095. (एनएएस-7.00).
89. पन्नीरसेल्वम, पी., कुमार, यू., सेनापति, ए., परमेश्वरन, सी., आनंदन, ए., कुमार, ए., जहान, ए., पाथी, एस.आर. और नायक, ए.के., 2020। उप-आर्द्र उष्णकटिबंधीय धान की

- मिट्टी में इल्लुमिनामिसेक प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अर्बुस्कुलर माइक्रोरिज़ल कवक समुदाय पर वर्धित उन्नत कार्बनडाइऑक्साइड का प्रभाव। *एप्लाएंड साइल इकोलॉजी*. 145, p.103344. <https://doi.org/10.1016/j.apsoil.2019.08.006>. (एनएएएस-9.45).
90. परिडा एम, उमाकांत एन, कटारा जे एल, यादव एम के, सामंतराय एस, और महापात्र टी, 2020। संकर चावल की आनुवंशिक शुद्धता के परीक्षण के लिए एक मल्टीप्लेक्स पीसीआर सिस्टम (ओराइज़ा सटाइवा एल।) *इंडियन जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग*, 80 (2): 213-217. (एनएएएस: 6.47)
 91. परमार एस, घरत एस ए, टैगिरसा आर, चंद्र टी, बेहेरा एल, दाश एस के, 2020। *miRNAs* की पहचान और अभिव्यक्ति विश्लेषण और लवणता के प्रति संवेदनशील और सहनशील चावल की किस्मों में लवण सहिष्णुता में उनकी भूमिका का स्पष्टीकरण। *पीएलओएस वन* 15 (4): e0230958. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0230958>. (एनएएएस: 8.78)
 92. पटनायक एस एस, दाश बी, भुइयां एस एस, कटारा जे एल, परमेश्वरन सी, वर्मा आर, रमेश एन, और सामंतराय एस, 2020। गुणवत्ता वाले संकर चावल में एंथेर कल्चर दक्षता: संकर चावल और इसके पुराने पौधों के बीच एक तुलना। *प्लांट्स*, 9(10):1306. (एनएएएस: 8.63)
 93. पी सी रथ, एल के बोस, एच एन सुबुधि, एस लेंका और एन एन जम्भुलकर (2020)। भारत में चावल के कीटों की जैव विविधता। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीज 2020*, 8(1): 2998-3002 (एनएएएस 5.31).
 94. पेड्डा घौस पीरा, एस.के., बालासुब्रमण्यम, पी और खानम, आर, 2020। विभिन्न अजैविक तनाव की स्थिति के तहत चावल में भूरा पत्ता धब्बा की बीमारी पर सिलिकॉन और पोटेशियम के स्रोत के रूप में फ्लोई ऐश का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीज*, 8, 2236-2240 (एनएएएस - 5.31).
 95. पेड्डा घौस पीरा, एस.के., बालासुब्रमण्यम, पी और खानम, आर, 2020। विभिन्न अजैविक तनाव की स्थिति में चावल में भूरा पौधे माहू, हरा पत्ता माहू और तना छेदक के प्रकोप पर सिलिकॉन और पोटेशियम के स्रोत के रूप में फ्लोई ऐश का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाएंड साइंसेस*, 9 (6). p. 2243-2249. (एनएएएस - 5.38).
 96. प्रभुकार्तिकेयन एस आर, परमेश्वरन सी, कीर्तना यू, ते ली बसवराज, प्रशांत तेज कुमार जगन्नाथम, कायलविद्गी बी, पन्नीरसेल्वम पी, सेनापति अंसुमन, नागेंद्रन के, कुमारी श्वेता, यादव एम के, अरविंदन ए, और संघमित्रा एस, 2020। *CRISPR/Cas9* युग में प्लांट-माइक्रोब इंटरैक्शन की समझ: वास्तव में मेराथन में एक स्प्लिटिंग प्रारंभ। *करंट जीनोमिक्स*। 21(6): 429-443. (एनएएएस rating: 8.17)
 97. प्रभुकार्तिकेयन, एस.आर., कीर्तना, यू., कृष्णन, एन., एम के, वाई. पन्नीरसेल्वम पी, और पी सी, आर, 2020। पूर्वी भारत में धान की फसल में फ्यूसैरियम प्रोलिफेरैटम के कारण आच्छद विगलन रोग प्रकोप। *प्लांट डिजीज*, (ja). (एनएएएस-9.58).
 98. प्रधान एस के, बारिक एस आर, नायक डी के, प्रधान ए, पंडित ई, नायक पी, दास एसआर, 2020। आनुवंशिकी, आणविक तंत्र और चावल में जीवाणुज अंगमारी प्रतिरोध जीन की प्रवेश। *क्रिटिकल रिव्यूज इन प्लांट साइंसेज*। 39(4), 360-385. (एनएएएस: 10.19)
 99. प्रधान एस के, पंडित ई, पवार एस, नवीनकुमार आर, बारिक एस आर, महांती एस पी, नायक डी के, घृतलहरे एस के, संजीब राव डी, रेड्डी जे एन और पटनायक एस एस सी, 2020। भरपूर चावल प्रजनन के लिए दाने में लौह एवं जस्ता हेतु लिंकेज डिसिपिलिब्रियम

- मैपिंग पोषक तत्वों से उपयोगी क्यूटीएल बढ़ता है। बीएमसी प्लांट बायोलॉजी, 20 (1):57, <https://doi.org/10.1186/s12870-020-2262-4>. (एनएएएस: 9.67)
100. प्रधान एस के, पंडित ई, पवार एस, प्रधान ए, बेहरा एल, दास एसआर, और पाठक एच, 2020। चावल में होमोस्टैसिस, अधिग्रहण, जैव-सुदृढ़ीकरण और दक्षता बढ़ाने के आनुवंशिक विनियमन। इनवायरनमेंटल एंड एक्सपरिमेंटल बटनी, 177, 104066, <https://doi.org/10.1016/j.envexpbot.2020.104066>. (एनएएएस: 9.71)
101. प्रकाश चंद्र रथ, लोटन कुमार बोस, हठनाथ सुबुधि, श्रीकांत लेंका और नीतिप्रसाद एन. जंभूलकर (2020)। ओडिशा में चावल के कीटों की जैव विविधता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाएड साइंसेस 9(3): 566-569 (एनएएएस: 5.38).
102. प्रियदर्शिनी, पी., त्रिपाठी, आर., पुरी, सी., धल, बी., शाहिद, एम., लाल, बी., गौतम, पी., महांती, एस., कुमार, यू., मुंडा, एस., कुमार, ए., पंडा, बी बी, भट्टाचार्य, पी., शुक्ला, ए के, और नायक, ए के, 2020। उष्णकटिबंधीय चावल-चावल प्रणाली में अजैविक और जैविक उर्वरकों के 46 वर्षों के प्रयोग से मृदा में नत्रजन एंजाइमों का वितरण। जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ सायल साइंस, 67(3), pp.341-350. <http://dx.doi.org/10.5958/0974-0228.2019.00037.9>. (एनएएएस-5.23).
103. प्रियदर्शिनी एस, सामंतराय एस, बाग्ची टी बी, और मंडल बी बी। 2020 इन विट्रो में औषधीय याम का संरक्षण: आयनिक शक्ति, सुक्रोज, मैनिटोल, एबीए और कम तापमान का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ हॉर्टिकल्चर, 76 (4): 701-06. (एनएएएस: 6.11)
104. रघु एस, एम एस बाइटे, एन बी पाटिल, पी संघमित्रा, एम के यादव, प्रभुकार्तिकेयन एस आर, कीर्तना यू, गुरु पिरासन्ना पांडी जी, अरविंदन एस, पी सी रथ (2020)। पूर्वी भारत में लोकप्रिय चावल की किस्मों (ओराइज़ा सटाइवा एल) में दाने का मलिनकरण, चयनित जैव-नियंत्रण एजेंटों का उपयोग करके माइक्रोफ्लोरा, गुणवत्ता हानि और प्रबंधन। जर्नल ऑफ स्टोरड प्रॉडक्ट्स रिसर्च 88(2020) 101682, <https://doi.org/10.1016/j.jspr.2020.101682>. (एनएएएस: 7.95)
105. रहमान, एम एम, शहजाद, एम टी, नायक, ए के, शर्मा, एस।, येस्मीन, एम।, सामंत, एस।, कोरेल, आर और नायडू, आर, 2020। ऑस्ट्रेलिया और भारत में आमतौर पर उपलब्ध मछली में ट्रेस तत्वों से स्वास्थ्य जोखिम। एनवायरनमेंटल साइंस एंड पोल्यूशन रिसर्च, 1-13. <https://doi.org/10.1007/s11356-020-08600-y>. (एनएएएस-8.91).
106. रथ पी सी, बोस एल के, सुबुधि एच एन, लेंका एस और जंभूलकर एनएन। 2020, भारत में चावल के कीटों की जैव विविधता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडिज 8(1): 2998-3002. (एनएएएस-5.31).
107. राय सोमनाथ, बनर्जी अमृता, बसाक एन, बाग्ची टी बी, मंडल एन पी, पात्र बी सी, मिश्र ए के, सिंह एस के, राठी आर एस और पटनायक ए, 2020। असम की भूमिजातियों Wx लोकस और सूक्ष्म उपग्रह विविधता पर आधारित विशेष ग्लूटिनस और कम एमाइलोज चावल (ओराइज़ा सटाइवा एल) की आनुवंशिक विविधता विश्लेषण। जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज डीओआई: 10.1007/s12038-020-00059-w
108. साहा डी, महांती आई सी, पंडा एस, बस्तीया डी, और प्रधान एस के, 2020। लौह विषाक्तता से प्रभावित निचली भूमि चावल जननद्रव्य में प्राकृतिक विविधता का फेनोटाइपिक आकलन। जर्नल ऑफ एप्लाएड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 39(15): 43-51. (एनएएएस rating: 5.32)

109. साहा एस और महापात्र ए. 2020। बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत सतत खेती। (आमंत्रित लेख)। एसएटीएसए मुखपत्र - वार्षिक तकनीकी बुलेटिन 24: 78-88. (एनएएस.19).
110. साहू एस, संघमित्रा पी, नंदा एन, पवार एस, पंडित ई, बस्तीया आर, मुदुली के सी, और प्रधान एस के, 2020। चावल में बीज ओज से संबंधित भौतिक-जैव रासायनिक लक्षणों के साथ आणविक मार्करों का उपयोग। फिजियोलॉजी एंड मोलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स। 26(10): 1989-2003. (एनएएस rating: 7.54)
111. सरवणने, आर. पूनुझालन, एस. विजयकुमार और के. पूजा, 2020। तटीय डेल्टाई पारिस्थितिकी तंत्र में चने में फसल-खरपतवार प्रतिस्पर्धा। इंडियन जर्नल ऑफ वीड साइंस 52(3): 283-285, 2020. (एनएएस-5.17).
112. सरिता, बी., पनीरसेल्वम, पी., श्रीनिवास, के., मित्र डी., सेनापति ए. (2020) अर्बुस्कुलर माइक्रोरिजल कवक और उससे जुड़े बैक्टीरिया के हस्तक्षेप के माध्यम से सपोटा [मणिलकराचार (मिल) फ़ोर्सबर्ग] उपज को बढ़ाना। रिसर्च जर्नल बायोटेक्नोलॉजी। (स्वीकृत). (एनएएस-5.0).
113. सतपथी बी एस, ड्यूरी बी, साहा एस, मुंडा एस, सिंह टी और चटर्जी डी, 2020। ब्रॉड-स्पेक्ट्रम हर्बिसाइड और हर्बिसाइड मिश्रण से प्रभावित ड्रम-सीड चावल (ओराइजा सटाइवा) की उपज और लाभ। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोनोमी 65(1):41-46. (एनएएस-5.46).
114. सेठी एस और मोगरा आर, 2020। भारत के राजस्थान के उदयपुर में ग्रामीण क्षेत्र में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की पोषण स्थिति का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंस 9(6): 3947-3953. (एनएएस-5.38).
115. सेठी एस और मोगरा आर, 2020। प्रीस्कूल बच्चों के लिए खाना बनाने के लिए तैयार दलिया मिक्स का एक मूल्यांकन। केमिकल साइंस रिव्यू एंड लेटर 9 (34) 496-501. (एनएएस-5.21).
116. शस्मिता, सामल, पी., नाइक, एस., महापात्र, पी.के., और मुखर्जी, ए.के*। (2020)। जांथोमोनास ओराइजे पीवी के खिलाफ बायोप्रिमिंग द्वारा चावल (ओराइजा सटाइवा एल) में बेहतर फोटोसिस्टम II और रक्षा एंजाइम गतिविधि। ओराइजे. फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी में नवंबर 16 2020 को प्रकाशित IF= 2.62 (एनएएस:8.33)
117. शेखर एस और रंजन आर, 2020 भारत के झारखंड के कोडरमा जिले में पश्चिमी मुर्गीपालन के तहत कैरी-निर्भीक के प्रदर्शन, उपयुक्तता और लाभ का अध्ययन. जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज 8(3): 930-934. (एनएएस-5.53).
118. शेखर एस, कुमार आर और कुमार पी, 2020। बछड़ों में सरकोप्टिक संक्रमण के खिलाफ इवरमेक्टिन, अमित्राज संयोजन के साथ हर्बल मिश्रण की तुलनात्मक प्रभावकारिता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइवस्टॉक रिसर्च 10 (8): 104-109. (एनएएस-5.36).
119. शेखर एस, कुमार एस और कुमारी आर, 2020। भारत के झारखंड के कोडरमा जिले में पश्चिमी मुर्गीपालन के तहत दिव्ययान रेड एवं स्थानीय मुर्गी का तुलनात्मक प्रदर्शन, लाभ। जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल रिसर्च 7(2): 93-96. (एनएएस-4.86).
120. शेखर एस. 2020। ब्लैक बेंगल प्रजाति की बकरियों में वृद्धि और प्रजनन प्रदर्शन पर सांद्र और खनिज मिश्रण के प्रभाव का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंस 19 (7): 2702-2708. (एनएएस-5.38).
121. शुक्ला, ए के, बेहरा, एस के, सिंह, वी के, प्रकाश, सी. सचन, ए के, धालीवाल, एस एस, श्रीवास्तव, पी सी, पचौरी, एस पी, त्रिपाठी, ए. पाठक, जे., नायक, ए के, कुमार , ए.,

- त्रिपाठी, आर., द्विवेदी, बी एस, दत्ता, एस पी, मीना, एम सी, दास, एस, त्रिवेदी, वी, 2020। भारतीय भारत-गंगा के मैदान में सतही मिट्टी और उनके प्रबंधन क्षेत्रों में उपलब्ध सूक्ष्म पोषक तत्वों और सल्फर का प्री-मानसून स्थानिक वितरण। पीएलओएस वन, 15(6): e0234053. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0234053>. (एनएएस-8.77).
122. सिंह जे, गुप्ता एस के, देवन्ना बी एन, सिंह एस, उपाध्याय ए, और शर्मा टी आर, 2020, सेलुलर और उप-सेलुलर स्थानीयकरण और विभिन्न रोगजनकों की प्रतिक्रिया को समझने के लिए चावल में प्रथ्वंस प्रतिरोधी जीन *Pi54* एवं इसके अति-प्रकटीकरण। सांइटिफिक रिपोर्ट्स, 10(1):5243, <https://doi.org/10.1038/s41598-020-59027-x>. (एनएएस: 10.11)
123. सिंह आर के, सिंह पी, सिंह आर पी, वर्मा आर एल, सिंह पी, नम्रता, पी अरसोडे, सिंह आर के, और सिंह ओ एन, 2020। इनहेरिटेंस ऑफ ब्लास्ट डिजीज (मैग्नापोर्थे ग्रिसिया) रेसिस्टेंस इन इंडिका राइस (ओराइजा सटाइवा एल.) सीवी। एचयूआर 4-3, टेपे और उनकी अलग-अलग वंशावली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस बायोलॉजिकल रिसर्च 10(1): 39-45. (एनएएसrating: 4.64)
124. सुबुधि एच एन, मेहर जे, दाश एस के, बोस एल के, और रथ पी सी, 2020। भूरा पौधे माहू के लिए श्रेष्ठ चावल जीनोटाइप का परीक्षण (नीलपर्वत लुगेंस स्टाल), इंडियन जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 8(1): 1307-1309. (एनएएस: 5.53)
125. सुधांशु शेखर (2020), झारखंड के कोडरमा में पशुचारांगण मुर्गीपालन प्रणाली के तहत वनराज प्रजाति की मुर्गियों का विकास, प्रदर्शन और लाभ, इंडियन जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज, 8 (5), 934-937 (एनएएस-5.53).
126. सुनील के, शैलजा एस, प्रगति एम, कुमार एस पी, कुमार आर पी, और प्रधान एस के। 2020, जैव रासायनिक और आणविक मार्करों का उपयोग करके चावल के संकरों और पैतृक वंशों में किस्म विभेदन। रिसर्च जर्नल बायोटेक्नोलॉजी। 15(1): 125-132. (एनएएस: 5.50)
127. श्वेता सिंह, संगीता मोहंती और राकेश बनवासी, 2020; वर्गीकृत नाइट्रोजन प्रयोग के तहत चावल की विभिन्न किस्मों के पौधों के भागों में नाइट्रोजन वितरण। जर्नल ऑफ फार्माकोगनॉसी एंड फाइटोकेमिस्ट्री, 9: 1576-1578. (एनएएस-5.21).
128. श्वेता सिंह, संगीता मोहंती, मीनाक्षी साहू, नेहा भास्कर और भुनेश्वर वर्मा 2020, चावल नाइट्रोजन की स्थिति के आकलन के लिए एसपीएडी मीटर मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडिज, 8: 01-05 (एनएएस-8.31).
129. टोटन अदक, बिभब महापात्र, हरेकृष्ण स्वाई, नवीनकुमार बी पाटिल, गुरु पी पांडी जी, बी गसन गौड़ा, एम अन्नामलाई, सोमनाथ एस पोखरे, शंकरा मीना के, पीसी रथ और मायाबिनी जेना (2020), उष्णकटिबंधीय देशों में इमिडाक्लोप्रिड के बिंदु स्रोत प्रदूषण को सीमित करने के लिए स्वदेशी बायोबेड। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट, 272(2020) 11084. (एनएएस- 10.87)
130. टोटन अदक, हरेकृष्ण स्वाई, सुष्मिता मुंडा, ए के मुखर्जी, एम के यादव, अरविंदन एस, एम के बाग और पी सी रथ (2020), ग्रीन सिल्वर नैनो-पार्टिकल्स: सिंथेसिस यूजिंग राइस लीफ एक्सट्रेक्ट, कैरेक्टराइजेशन, एफिशिएंसी एंड नॉन-टारगेट इफेक्ट्स। एनवायरनमेंटल साइंस एंड पॉल्यूशन रिसर्च, <https://doi.org/10.1007/s11356-020-10601-w>. (एनएएस 8.91)
131. यू. तिवारी, आई. शेखर, पी. अंबुकानी, जे पी बिसेन, प्रमोद कुमार, जी के झा और पी. कुमार (2020), हरियाणा में सब्जी किस्म का आर्थिक प्रभाव: गाजर की पूसा रुधिरा की

- किस्म, इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, 16 (1), 147-151. (एनएएएस - 4.82).
132. वर्मा वी के, वर्मा, बी सी और झा ए के, 2020, मेघालय के मध्य पहाड़ियों में संरक्षित स्थिति में उगाए गए टमाटर और शिमला मिर्च की उपज और गुणवत्ता पर चूने और जैविक खाद का प्रभाव। वेजिटेबल साइंस। 47 (1): 62-68. (एनएएएस-4.98).
133. विजयकुमार एस, कुमार डी, शिवाय वाई एस, आनंद ए, शर्मा डी के, शर्मा वी के और गोविंदसामी वी, 2019। पोटेशियम के प्रयोग से गेहूं (ट्रिटिकुमेस्टिवम) की वृद्धि और उत्पादकता पर प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी। 64 (3): 341-347. (एनएएएस - 5.46).
134. विजयकुमार एस, कुमार डी, शर्मा वी के, शिवाय वाई एस, आनंद ए, सरवणने पी, जिंजर डी और सिंह एन, 2019। शुष्क सीधी बुआई वाले बासमती चावल (ओराइजा सटाइवा) की उप, वृद्धि, उपज विशेषताओं बढ़ाने के लिए पोटेशियम उर्वरक का प्रयोग। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस् 89(11): 164-168. (एनएएएस-6.25).
135. विजयकुमार एस, कुमार डी, शिवाय वाई एस, शर्मा वी के, शर्मा डी के, सरवणने पी, पूर्णिमा एस और सिंह एन, 2019। एरोबिक चावल (ओराइजा सटाइवा)- गेहूं (ट्रिटिकुमेस्टिवम) फसल प्रणाली का ऊर्जा बजट पोटेशियम निषेचन से प्रभावित है। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस् 89(11): 159-163. एनएएएस-6.25).
136. विजयकुमार एस, कुमार दिनेश, शिवाय वाईएस, आनंद अंजलि, सरवणने पी और सिंह नैन, 2019, गेहूं की उपज विशेषताओं, उपज और लाभ को बढ़ाने के लिए पोटेशियम उर्वरक (ट्रिटिकुमेस्टिवम)। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी 64 (2): 226-231. (एनएएएस - 5.46).
137. विनुथा टी, वंचिनाथन एस, बंसल एन, कुमार जी, परमार वी, वाट्स ए, रमेश एस वी, प्रवीण एस, (2020), टमाटर ऑक्सिन बायोसिंथेसिस/सिग्नलिंग को जेमिनीवायरस द्वारा इसकी रोगजनकता को बढ़ाने के लिए पुनः प्रोग्राम किया जाता है। प्लांटा 252(4): 1-14. (एनएएएस: 9.06)
138. वानखेड़े, एम., घोष, ए., मन्ना, एम सी, मिश्र, एस., सिरौठिया, पी., रहमान, एम एम, भट्टाचार्य, पी., सिंह, एम., भट्टाचार्य, आर. और पात्र, ए के, 2020, क्या मृदा जैविक कार्बन गुणवत्ता या मृदा समुच्चय मात्रा में सापेक्ष तापमान संवेदनशीलता को नियंत्रित करती है? बायोजियोकेमेस्ट्री, 1-16. (एनएएएस 9.41)